CH-3 भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंध

पृष्ठभूमि

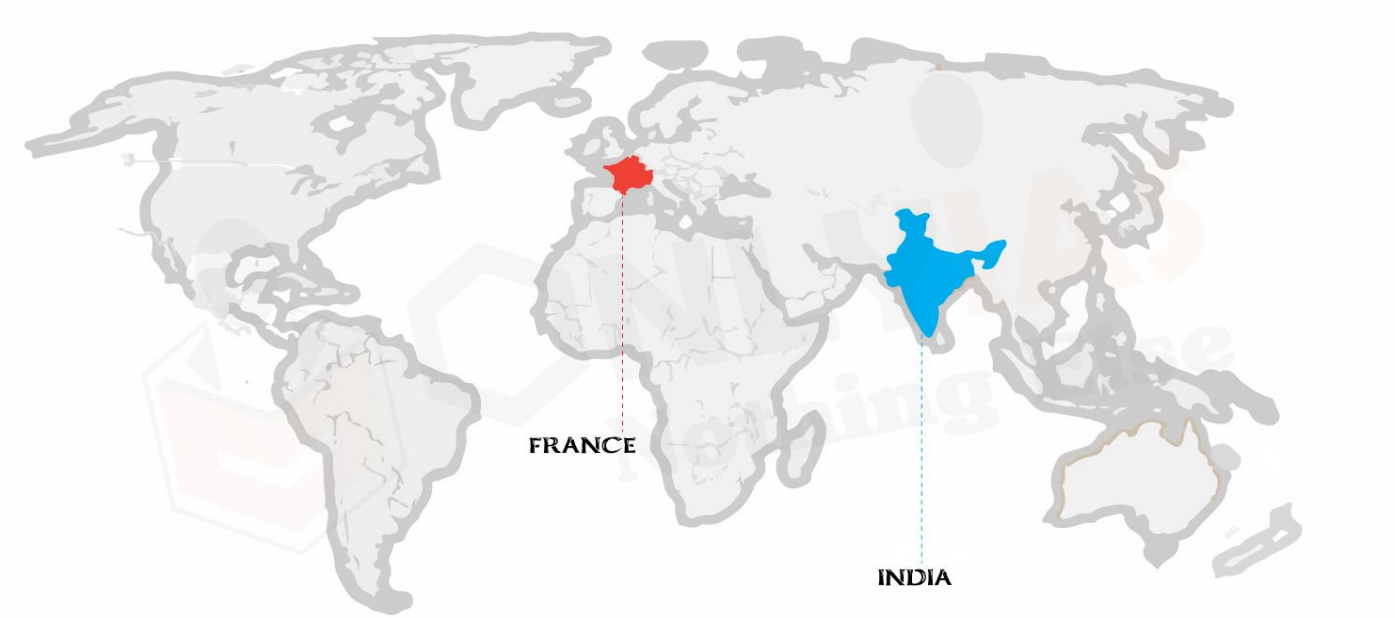

- 1980 के दशक की शुरुआत में, फ्रांस भारत के साथ अपने संबंधों को और अधिक विस्तार देना चाहता था। फ्रांस ने भारत के रणनीतिक, राजनयिक और आर्थिक उत्थान पर दांव लगाया, और कई रणनीतिक मामलों में भारत के अनुरोधों का दृढ़ता से समर्थन किया। जैसे- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट, अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर लिए गए निर्णयों में बेहतर भागीदारी (जैसे विस्तारित G8 और G20), असैन्य परमाणु सहयोग तक पहुंच आदि।
- भारत और फ्रांस के पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। 1998 में, दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को आरंभ किया, जो घनिष्ठ और बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों के अतिरिक्त कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर उनके विचारों के सम्मिलन का द्योतक है।
- फ्रांस के साथ हमारी सामरिक साझेदारी के प्रमुख स्तंभ रक्षा और सुरक्षा सहयोग,अंतरिक्ष सहयोग और असैन्य परमाणु सहयोग के क्षेत्र हैं। भारत और फ्रांस सहयोग के नए क्षेत्रों जैसे हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन सहित जलवायु परिवर्तन, और अन्य लोगों के मध्य सतत विकास और विकास में लगातार प्रयासरत हैं।
- भारत और फ्रांस क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की सीमा पर एक समान सोच साझा करते हैं। आर्थिक क्षेत्र में, जिसमें कि व्यापक संभावनाएं उपस्थित हैं, फ्रांसीसी आर्थिक क्षमताओं, इसके व्यापार और उद्योग, इसकी पूंजी और प्रौद्योगिकियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत के विकास लक्ष्यों के साथ संबंध स्थापित किया हैं।
- द्विपक्षीय सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंध का जीवंत स्वरूप मौजूद हैं और साथ ही लोगों से लोगों के बीच संपर्क भी बढ़ रहा है। भारतीय डायस्पोरा की फ्रांस और उसके विदेशी क्षेत्रों में भी बड़ी उपस्थिति है।

सहयोग का क्षेत्र